



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्रतिष्ठापक से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 413]
No. 413]

नई दिल्ली, मंगलवार, जुलाई 18, 1995/आषाढ़ 27, 1917
NEW DELHI, TUESDAY, JULY 18, 1995/ASADHA 27, 1917

वित्त मंत्रालय
(राजस्व विभाग)
(केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड)

अधिसूचना
नई दिल्ली, 18 जुलाई, 1995
आय-कर

का.अ. 640 (अ) :—केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 295 द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, आय-कर नियम 1962 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाता है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम आय-कर (ग्यारहवां संशोधन) नियम, 1995 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. आय-कर नियम, 1962 में,—

(अ) नियम 2-ग के पश्चात् निम्नलिखित नियम अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“2ग. धारा 10 के खंड (23-घ) के प्रयोजनों के लिए धारा 10(1) के खंड (23-घ) के अधीन अनुमोदन के लिए मार्गदर्शक सिद्धांत—

(1) विहित प्राधिकारी वह आय-कर निदेशक (छूट) होगा जिसकी अधिकारिता उस साहसिक पूंजी निधि या साहसिक पूंजी कंपनी पर है जो उपनियम (2) के अधीन अनुमोदन के लिए आवेदन करती है;

(2) अनुमोदन के लिए आवेदन किसी साहसिक पूंजी निधि या साहसिक पूंजी कंपनी द्वारा प्ररूप 56-क में उपनियम (1) में निर्दिष्ट आय-कर निदेशक (छूट) को किया जाएगा;

(3) उपनियम (2) के अधीन प्रत्येक आवेदन उस पूर्व वर्ष में जिसमें किसी साहसिक पूंजी उपक्रम में साधारण अंश मद्धे किए गए विनिधानों में किसी साहसिक पूंजी निधि या साहसिक पूंजी कंपनी के लाभांश या दीर्घकालिक पूंजी अभिलाभ के रूप में किसी आय को ऐसी साहसिक पूंजी निधि या साहसिक पूंजी कंपनी की कुल आय को संगणना करने में सम्मिलित नहीं किया जाएगा, किया जा सकेगा; और

(4) उपनियम (2) के अधीन अनुमोदन के लिए प्रत्येक आवेदन के साथ निम्नलिखित दस्तावेज होंगे, अर्थात् :—

- (क) कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) के अधीन न्यास विलेख या निगमन प्रमाणपत्र की एक प्रति;
- (ख) उस पूर्व वर्ष के, जिसमें आवेदन किया जाता है, ठीक पूर्ववर्ती तीन पूर्व वर्षों के लिए तुलनपत्र तथा लाभ और हानि लेखा;
- (ग) आवेदक द्वारा सम्यक् रूप से भरे गए और हस्ताक्षर किए गए प्ररूप 56-ख और प्ररूप 56-ग; और
- (घ) भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड द्वारा जारी किए गए रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र की एक प्रति।

(5) आय-कर निदेशक (छूट), यथास्थिति, साहसिक पूंजी निधि या साहसिक पूंजी कंपनी का, निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए, अनुमोदन करेगा, अर्थात् :—

- (क) यथास्थिति, साहसिक पूंजी निधि या साहसिक पूंजी कंपनी, भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 (1992 का 15) की धारा 3 के अधीन स्थापित भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड के पास रजिस्ट्रीकृत हो;
- (ख) प्रत्येक साहसिक पूंजी निधि, साहसिक पूंजी उपक्रमों के साधारण अंशों को अर्जित करने मद्धे विनिधान के लिए जुटाए गए उसके कुल धन के (जिन्हें इसमें इसके पश्चात् ऐसे धन कहा गया है) के अस्सी प्रतिशत से अन्यून रकम निम्नलिखित रीति से विनिधान करती है, अर्थात् :—
 - (i) ऐसे धन का बीस प्रतिशत या अधिक उस पूर्व वर्ष के, जिसमें आवेदन उपनियम (3) के अधीन किया जाता है, दौरान या उसके समाप्त होने के पहले साहसिक पूंजी उपक्रमों के साधारण अंशों को अर्जित करने मद्धे विनिधान किया जाएगा;
 - (ii) ऐसे धन का अस्सी प्रतिशत या अधिक (जिसके अंतर्गत ऊपर उपखंड (i) में निर्दिष्ट विनिधान भी हैं) उस पूर्व वर्ष के जिसमें उपखंड (ii) में निर्दिष्ट पचास प्रतिशत विनिधान किया गया है, ठीक पूर्ववर्ती पूर्व वर्ष के दौरान या उसके समाप्त होने के पहले साहसिक पूंजी उपक्रमों के साधारण अंशों को अर्जित करने मद्धे विनिधान किया जाएगा;
 - (iii) ऐसे धन का अस्सी प्रतिशत या अधिक (जिसके अंतर्गत ऊपर उपखंड (ii) में निर्दिष्ट विनिधान भी हैं), उस पूर्व वर्ष के, जिसमें उपखंड (ii) में निर्दिष्ट पचास प्रतिशत विनिधान किया गया है, दौरान या उसके समाप्त होने के पहले साहसिक पूंजी उपक्रमों के साधारण अंशों को अर्जित करने मद्धे विनिधान किया जाएगा;

(ii) ऐसे धन का पचास प्रतिशत या अधिक (जिसके अंतर्गत ऊपर उपखंड (i) में निर्दिष्ट विनिधान भी हैं) उस पूर्व वर्ष के जिसमें उपखंड (i) में निर्दिष्ट बीस प्रतिशत विनिधान किया गया है, ठीक पूर्ववर्ती पूर्व वर्ष के दौरान या उसके समाप्त होने के पहले साहसिक पूंजी उपक्रमों के साधारण अंशों को अर्जित करने मद्धे विनिधान किया जाएगा;

(iii) ऐसे धन का अस्सी प्रतिशत या अधिक (जिसके अंतर्गत ऊपर उपखंड (ii) में निर्दिष्ट विनिधान भी हैं) उस पूर्व वर्ष के जिसमें उपखंड (ii) में निर्दिष्ट पचास प्रतिशत विनिधान किया गया है, ठीक पूर्ववर्ती पूर्व वर्ष के दौरान या उसके समाप्त होने के पहले साहसिक पूंजी उपक्रमों के साधारण अंशों को अर्जित करने मद्धे विनिधान किया जाएगा;

(i) प्रत्येक साहसिक पूंजी कंपनी साहसिक पूंजी उपक्रमों के साधारण अंशों को अर्जित करने मद्धे अपनी कुल समादत्त पूंजी के (जिसे इसमें इसके पश्चात् ऐसी पूंजी कहा गया है) अस्सी प्रतिशत से अन्यून रकम निम्नलिखित रीति से विनिधान करती है, अर्थात् :—

(i) ऐसी पूंजी का बीस प्रतिशत या अधिक उम पूर्व वर्ष के जिसमें आवेदन उपनियम (3) के अधीन किया जाता है, दौरान या उसके समाप्त होने के पहले साहसिक पूंजी उपक्रमों के साधारण अंशों को अर्जित करने मद्धे विनिधान किया जाएगा;

(ii) ऐसी पूंजी का पचास प्रतिशत या अधिक (जिसके अंतर्गत ऊपर उपखंड (i) में निर्दिष्ट विनिधान भी हैं), उस पूर्व वर्ष के, जिसमें उपखंड (i) में निर्दिष्ट बीस प्रतिशत विनिधान किया गया है, ठीक पूर्ववर्ती पूर्व वर्ष के दौरान या उसके समाप्त होने के पहले साहसिक पूंजी उपक्रमों के साधारण अंशों को अर्जित करने मद्धे विनिधान किया जाएगा;

(iii) ऐसी पूंजी का अस्सी प्रतिशत या अधिक (जिसके अंतर्गत ऊपर उपखंड (ii) में निर्दिष्ट विनिधान भी हैं), उस पूर्व वर्ष के, जिसमें उपखंड (ii) में निर्दिष्ट पचास प्रतिशत विनिधान किया गया है, दौरान या उसके समाप्त होने के पहले साहसिक पूंजी उपक्रमों के साधारण अंशों को अर्जित करने मद्धे विनिधान किया जाएगा;

(घ) यथास्थिति कोई साहसिक पूंजी निधि या साहसिक पूंजी कंपनी एक साहसिक पूंजी उपक्रम में जुटाए गए अपने कुल धन या कुल समावस अंश पूंजी के पचास प्रतिशत से अधिक विनिधान नहीं करेगी;

(ङ) यथास्थिति कोई साहसिक पूंजी निधि या साहसिक पूंजी कंपनी एक साहसिक पूंजी उपक्रम के साधारण पूंजी में चालीस प्रतिशत से अधिक विनिधान नहीं करेगी;

(च) प्रत्येक साहसिक पूंजी निधि और साहसिक पूंजी कंपनी धारा 288 की उपधारा (2) के स्पष्टीकरण में यथापरिभाषित लेखा पुस्तक रखेगी और ऐसी पुस्तकों की किसी लेखापाल द्वारा संपरीक्षा कराएगी और ऐसे लेखापाल द्वारा सम्यक् रूप में हस्ताक्षरित और सत्यापित ऐसी संपरीक्षा की रिपोर्टें आय-कर निदेशक (छूट) की धारा 139 की उपधारा (1) के अधीन फाइल करने की नियत तारीख के पहले देगी।

(6) आय-कर निदेशक (छूट) यथास्थिति, साहसिक पूंजी निधि या साहसिक पूंजी कंपनी को अनुमोदन प्रदान करते हुए या अनुमोदन नामंजूर करते हुए लिखित रूप में आदेश पारित करेगा :

परंतु आय-कर निदेशक (छूट), आय-कर महानिदेशक (छूट) की सहमति के बिना अनुमोदन को नामंजूर नहीं करेगा :

परंतु यह और कि यथास्थिति प्रत्येक साहसिक पूंजी निधि या साहसिक पूंजी कंपनी को इस नियम के अधीन आदेश पारित करने से पहले मुनवाई का अवसर दिया जाएगा।

(7) आय-कर निदेशक (छूट) उपनियम (6) के अधीन अनुदत्त अनुमोदन को निम्नलिखित परिस्थितियों में वापस ले लेगा, अर्थात् :—

(क) यदि साहसिक पूंजी निधि या साहसिक पूंजी कंपनी—

(1) उपनियम (5) में विनिर्दिष्ट रीति में विनिधान करने में असफल हो जाती है;

(2) यथास्थिति किसी साहसिक पूंजी निधि द्वारा जुटाए गए धन के पांच प्रतिशत या साहसिक पूंजी कंपनी की समावस अंशपूंजी के पांच प्रतिशत से अधिक एक साहसिक पूंजी उपक्रम में विनिधान करती है;

(3) एक साहसिक पूंजी उपक्रम में साधारण पूंजी में चालीस प्रतिशत से अधिक विनिधान करती है;

(4) लेखा पुस्तक रखने में और ऐसे लेखाओं की किसी लेखापाल द्वारा संपरीक्षा कराने में असफल हो जाती है या उपनियम (5) के खंड (च) में अपेक्षित संपरीक्षा रिपोर्टें फाइल करने में असफल हो जाती है;

(5) अधिनियम या उसके अधीन बनाए गए नियमों के उपबंध का अतिक्रमण करती है।

(ख) यदि भारतीय प्रतिभूति विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 (1992 का 15) की धारा 12 के अधीन किसी साहसिक पूंजी निधि या साहसिक पूंजी कंपनी को अनुदत्त रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र को भारतीय प्रतिभूति विनियम बोर्ड द्वारा निलंबित या रद्द कर दिया जाता है।”;

(घा) परिशिष्ट 2 में, प्ररूप सं. 56 के पश्चात् निम्नलिखित प्ररूप अंतःस्थापित किए जाएंगे, अर्थात् :—

प्ररूप संख्या 56-क

[नियम 2-घ का उपनियम (2) देखिए]

साहसिक पूंजी निधि या साहसिक पूंजी कंपनी के अनुमोदन के लिए आवेदन

1. साहसिक पूंजी निधि/साहसिक पूंजी कंपनी का नाम और पता

2. बनाए जाने/निगमन की तारीख और स्थान (न्यास विलेख/कंपनी अधिनियम, 1956 के अंतर्गत निगमन के प्रमाणपत्र की प्रति संलग्न करें)।

3. साहसिक पूंजी निधि/साहसिक पूंजी कंपनी के उद्देश्य :—

(1) मुख्य उद्देश्य

(2) आनुषंगिक उद्देश्य

4. पूंजी का ढांचा/अंश धारण पैटर्न

5. कारबार के क्रियाकलाप की वर्तमान प्रकृति उस कारबार में वर्षों की संख्या

6. लेखा की पालिसियां (महत्वपूर्ण लेखा पालिसियों का विवरण प्रस्तुत करें)।

7. प्रणाली और प्रक्रियाएं (प्रणाली और प्रक्रियाओं तथा कारबार चलाने के लिए आवश्यक आन्तरिक नियंत्रणों का विवरण प्रस्तुत करें)।

8. सहायक संगठनों/समूह कंपनियों/समनुषंगियों के नाम और पते।

9. संबंध का व्योरा

(क) प्रबंधकों, निदेशकों उनके अनुभव, अर्हताओं तथा
वृत्ति सहित, नाम

आज तारीख—19—को स्थापित किया गया
तारीख—

(ख) प्रमुख कार्मिकों के नाम

स्थान—

(ग) संगठनात्मक ढांचा

आवेदक के हस्ताक्षर और
पदनाम

(घ) सहयुक्त संगठनों, कंपनियों और उनकी समनु-
षंगियों के निदेशक बोर्ड

टिप्पणी :— आवेदन (दो प्रतियों में) निम्नलिखित दस्ता-
वेजों के साथ उस निदेशक, आयकर (छूट)
को भेजा जाना चाहिए जिसकी अधिकारिता
में साहसिक पूंजी निधि या साहसिक पूंजी
कंपनी है :—

10. बैंकों के नाम और पते

11. संपरीक्षकों के नाम और पते

12. वे न्यायालय मामले/मुकदमे जिनमें पिछली तीन वर्ष में
अन्तर्वर्तित है।

13. उन साहसिक पूंजी उपक्रमों के नाम जिनमें विनिधान
किया गया है या किया जाना प्रस्तावित है।

(1) उस न्यास विलेख की प्रति, जिसके अंतर्गत वेंचर
पूंजी निधि सृजित की गई है या कंपनी अधि-
नियम, 1956 के अधीन जारी निगमन के
प्रमाण-पत्र की प्रति

(2) भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड द्वारा जारी
रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र की प्रति।

(3) पिछले तीन वर्ष के तुलनपत्र तथा लाभ और
हानि लेखाओं की प्रतियां।

(4) आवेदक द्वारा सम्यक रूप से भरा गया और
हस्ताक्षरित प्ररूप सं. 56-ख

(5) आवेदक द्वारा सम्यक रूप से भरा गया और
हस्ताक्षरित प्ररूप सं. 56-ग

आवेदक के हस्ताक्षर और पदनाम
स्थापन

मैं—घोषणा करना हूँ कि ऊपर
जो कुछ कथित है वह मेरी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास
के अनुसार सही है।

प्ररूप संख्या—56-ख

[नियम 2-घ के उपनियम (4) का खंड (घ) देखिए]

संक्षिप्त वित्तीय जानकारी

आय का विवरण

1. आय के स्रोत

प्रथम वर्ष द्वितीय वर्ष तृतीय वर्ष
(वर्ष का भी उल्लेख करें)

(क) लाभांश

_____र.

(ख) व्यापार

_____र.

(ग) अन्य आय

_____र.

कुल आय (क + ख + ग)

_____र.

2. व्यय -

(क) निदेशक का पारिश्रमिक

_____र.

(ख) न्यासी की फीस

_____र.

(ग) अभिरक्षक की फीस

_____र.

(घ) रजिस्ट्रार की फीस

_____र.

(ङ.) अन्य व्यय

_____र.

कुल व्यय (क + ख + ग + घ + ङ.)

3. सकल लाभ (1-2)	_____	_____	_____रु.
4. अवक्षयण	_____	_____	_____रु.
5. कर से पूर्व शुद्ध लाभ (3-4)	_____	_____रु.	_____रु.
6. कर (आय-कर)	_____	_____	_____रु.
7. कर के पश्चात् लाभ (5-6)	_____	_____	_____रु.
8. विनिरित आय/घोषित लाभभांश	_____	_____	_____रु.
9. प्रतिधारित उपार्जन (7-8)	_____	_____	_____रु.

तारीख :

स्थान :

आवेदक के हस्ताक्षर और पदनाम

प्रारूप संख्या 56-ग

(नियम 2-ध के उप नियम (4) का खंड (घ))

आस्तियों और दायित्वों का विवरण

	प्रथम वर्ष (वर्ष का उल्लेख करें)	द्वितीय वर्ष	तृतीय वर्ष
क. आस्तियां			
1. स्थिर आस्तियां	_____	_____	_____रु.
(क) सकल ब्लॉक	_____	_____	_____रु.
(ख) अवक्षयण	_____	_____	_____रु.
(ग) कुल मूल्य (क-ख)	_____	_____	_____रु.
2. चल आस्तियां			
(क) विनिधान	_____	_____	_____रु.
(ख) नकदी और बैंक में प्रतिशेष	_____	_____	_____रु.
(ग) अन्य (कृपया विनिर्दिष्ट करें)	_____	_____	_____रु.
(घ) योग (क-ख-ग)	_____	_____	_____रु.
3. चल दायित्व और उपबंध	_____	_____	_____रु.
4. शुद्ध मूल्य (1 + 2 + 3)	_____	_____	_____रु.

(ख) दायित्व

1.	उधार लिया गया/जारी किया गया धन और समादत्त पूंजी	-----र.
2.	खुली आरक्षितियाँ (आरक्षितियों को छोड़कर)	-----र.
3.	योग (1 + 2)	-----र.

तारीख

स्थान :

आवेदक के हस्ताक्षर और पदनाम

टिप्पणी : —कृपया विनिधान की पूर्ण विशिष्टियों दें और यह भी कथन करें कि आप नियम 2-घ के उप नियम (5) में उल्लिखित शर्तों का समाधान करते हैं यदि नहीं तो ब्योरे सहित कारणों को उपदर्शित करें।

[सं. 9816/फा.सं. 142/21/95-टी.पी.एल.]

अनिरुद्ध कुमार, अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE
(Department of Revenue)
(Central Board of Direct Taxes)
NOTIFICATION
New Delhi, the 18th July, 1995
INCOME-TAX

S.O. 640(E).—In exercise of the powers conferred by section 295 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following rules further to amend the Income-tax Rules, 1962, namely :—

1. (1) These rules may be called the Income-tax (Eleventh Amendment) Rules, 1995.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Income-tax Rules, 1962,—

(A) after rule 2C, the following rule shall be inserted, namely :—

“2D. Guidelines for approval under clause (23F) of section 10; (1) for the purposes of clause (23F) of section 10, the prescribed authority shall be the Director of Income-tax (Exemption) having jurisdiction over the venture capital fund or the venture capital company who makes application for approval under sub-rule (2)—

(2) An application for approval shall be made in Form 56A by a venture capital fund or a venture capital company to the Director of Income-tax (Exemptions) referred to in sub-rule (1).

(3) Every application under sub-rule (2) may be made in any previous year in which any income by way of dividend or long term capital gains of a venture capital fund or a venture capital company from investments made by way of equity shares in a venture capital undertaking shall not be included in computing the total income of such venture capital fund or venture capital company, and

(4) Every application for approval under sub-rule (2) shall be accompanied by the following documents, namely :—

- a copy of trust deed or certificate of incorporation under Companies Act, 1956 (1 of 1956);
- balance sheets and profit and loss account for three previous years immediately proceeding the previous year in which the application is made;
- forms 56B and 56C duly filled in and signed by the applicant; and
- a copy of the certificate of registration issued by the Securities and Exchange Board of India.

(5) The Director Income-tax (Exemption) shall approve the venture capital fund or the venture capital company, as the case may be, subject to the following conditions, namely :—

- The venture capital fund or the venture capital, as the case may be, is registered with Securities and Exchange Board of India established under section 3 of the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 (15 of 1992);
- Every venture capital fund invests an amount not less than eighty per cent, of its total monies (hereinafter referred to as such monies) raised for investment by way of acquiring equity shares of the venture capital undertakings in the following manner, namely :—
 - twenty per cent, or more of such monies shall be invested during or before the end of the previous year in which the application is made under sub-rule (3) by way of acquiring equity shares of the venture capital undertakings,

- (ii) fifty per cent, or more of such monies (including the investments referred to in sub-clause (i) above) shall be invested, during or before end of the previous year immediately succeeding the previous year in which investment of twenty per cent, referred to in sub-clause (i) has been made, by way of acquiring equity shares of the venture capital undertakings, (iii) eighty per cent, or more of such monies (including the investments, referred to in sub-clause (ii) above) shall be invested, during or before the end of the previous year immediately succeeding the previous year in which fifty per cent, investment referred to in sub-clause (ii) has been made, by way of acquiring equity shares of the venture capital undertakings.
- (c) every venture capital company invests an amount not less than eighty per cent, of its total paid up capital (hereinafter referred to as such capital) by way of acquiring equity shares of the venture capital undertakings in the following manner, namely :—
 - (i) twenty per cent, or more of such capital shall be invested, during or before the end of the previous year in which the application is made under sub-rule (3), by way of acquiring equity shares of the venture capital undertakings,
 - (ii) fifty per cent, or more of such capital (including the investments referred to in clause (i) above) shall be invested, during or before the end of the previous year immediately succeeding the previous year in which investment of twenty per cent, referred to in clause (i) above has been made, by way of acquiring equity shares of the venture capital undertakings,
 - (iii) eighty per cent, or more of such capital (including the investment referred to in clause (ii) above) shall be invested, during or before the end of the previous year in which fifty per cent, investment referred to in sub-clause (ii) has been made, by way of acquiring equity shares of the venture capital undertakings.
- (d) a venture capital fund or a venture capital company, as the case may be, shall not invest more than five per cent, of its total monies raised or total paid-up share capital in one venture capital undertakings,
- (e) a venture capital fund or a venture capital company, as the case may be, shall not make investment of more than forty per cent, in the equity capital of one venture capital under taking.
- (f) every venture capital fund and venture capital company, shall maintain books of account and get such books audited by an accountant, as defined in Explanation to sub-section (2) of section 288 and furnish the report of such audit duly signed and verified by such accountant to the Director Income-tax (Exemptions) before the due

date of filing of the return under sub-section (1) of section 139.

(6) The Director Income-tax (Exemptions) shall pass an order in writing granting approval or refusing approval to the venture capital fund or venture capital company, as the case may be :

Provided that the Director Income-tax (Exemptions) shall not refuse the approval except in concurrence with the Director General of Income-tax (Exemptions).

Provided further that every venture capital fund or venture capital company, as the case may be, shall be given an opportunity of being heard before passing an order under this rule.

(7) The Director Income-tax (Exemption) shall withdraw the approval granted under sub-rule (6) in the following circumstances, namely :—

- (a) If the venture capital fund or the venture capital company—
 - (i) fails to make investments in the manner specified in sub-rule (5);
 - (ii) invests more than five per cent, of the monies raised by a venture capital fund or five per cent, of paid up share capital of the venture capital company as the case may be, in one venture capital undertaking;
 - (iii) makes an investment of more than forty per cent, in the equity capital in one venture capital undertaking;
 - (iv) fails to maintain books of account and get such accounts audited by an accountant or fails to file the audit report required in clause (f) of sub-rule (5);
 - (v) violates the provision of the Act of rules made thereunder;
- (b) if the certificate of registration granted under section 12 of the Securities Exchange Board of India Act, 1992 (15 of 1992), to a venture capital fund or a venture capital company is suspended or cancelled by the Securities and Exchange Board of India.”;

(B) in appendix II, after Form No. 56, the following Forms shall be inserted, namely :—

FORM NO. 56A

(See sub-rule (2) of rule 2D)

APPLICATION FOR APPROVAL OF A VENTURE CAPITAL FUND OR A VENTURE CAPITAL COMPANY

1. Name and Address of the Venture Capital Fund/Venture Capital Company
2. Date and Place of Formation/Incorporation (Enclose a copy of trust

deed/certificate of incorporation under Companies Act, 1956)

3. Objects of Venture capital fund/venture capital company

(i) Main objects

(ii) Ancillary objects

4. Capital Structure/Share Holding Pattern

5. Present nature of business activities Number of Years in that business

6. Accounting Policies (furnish description of significant accounting policies)

7. Systems and procedures (furnish description of systems and procedures and essential internal controls in order to carry on the business)

8. Names of the associate organisations/group companies/subsidiaries

9. Details of management

(a) Names of managers, directors with their experience, qualification and profession

(b) Names of the key personnel

(c) Organisational structure

(d) Board of directors of associate organisations, companies and their subsidiaries

10. Names and addresses of the Bankers

11. Names and addresses of the Auditors

12. Court cases/litigations in which involved in the last three years

13. Names of the ventures capital undertaking in which investments have been made or proposed to be made

Signature and designation
of the applicant

VERIFICATION

I, _____, do hereby declare that what is stated above is true to the best of my knowledge and belief. Verified today, the _____ day of _____

19_____

Date_____

Place_____

Signature and designation
of the applicant

NOTES :

The application Form (in duplicate) should be sent to the Director Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the venture capital fund or the venture capital company alongwith the following documents :

(i) A copy of the trust deed under which the venture capital fund is formed or copy of the certificate of incorporation issued under the Companies Act, 1956.

(ii) Copy of the certificate of registration issued by the Securities and Exchange Board of India.

(iii) Copies of balance sheet and profit and loss accounts for three previous years.

(iv) Form No. 56B duly filled in and signed by the applicant.

(v) Form No. 56C duly filled in and signed by the applicant.

FORM NO. 56-B

[See clause (C) of sub-rule (4) of rule 2D]

CONDENSED FINANCIAL INFORMATION

INCOME STATEMENT

	YEAR		
	First Year (Mention years also)	Second Year	Third Year
1. Sources of Income :			
(a) Dividend	Rs. _____	_____	_____
(b) Trading	Rs. _____	_____	_____
(c) Other Income	Rs. _____	_____	_____
Total : Income (a + b + c)	Rs. _____	_____	_____

2. Expenses :

(a) Director's remuneration	Rs. _____	_____	_____
(b) Trusteeship fees	Rs. _____	_____	_____
(c) Custodian fees	Rs. _____	_____	_____
(d) Registrar's fees	Rs. _____	_____	_____
(e) Other expenses	Rs. _____	_____	_____

Total : Expenses (a + b + c + d + e) Rs. _____

3. Gross Profit (1—2) Rs. _____

4. Depreciation Rs. _____

5. Net Profit before tax (3—4) Rs. _____

6. Tax (Income-tax) Rs. _____

7. Profit after tax (5—6) Rs. _____

8. Income distributed/ Dividend declared Rs. _____

9. Retained Earnings (7—8) Rs. _____

Date :

Signature and designation of
the applicant

Place :

FORM NO. 56 C

[See clause (C) of sub-rule (4) of rule 2D]

Statement of Assets and Liabilities

	YEARS		
	First Year	Second Year (mention years)	Third Year
A. Assets :			
1. Fixed Assets	Rs. _____	_____	_____
(a) Gross Block	Rs. _____	_____	_____
(b) Depreciation	Rs. _____	_____	_____
(c) Net Value (a—b)	Rs. _____	_____	_____
2. Current Assets :			
(a) Investments	Rs. _____	_____	_____
(b) Cash and bank balances	Rs. _____	_____	_____
(c) Others (Please specify)	Rs. _____	_____	_____
(d) Total : (a + b + c)	Rs. _____	_____	_____
3. Current Liabilities and Provisions	Rs. _____	_____	_____
4. Net Worth (1 + 2—3)	Rs. _____	_____	_____

B. Liabilities :

- | | |
|--|-----------|
| 1. Monies raised/issued and paid up capital | Rs. _____ |
| 2. Free Reserves
(excluding revaluation reserves) | Rs. _____ |
| 3. Total : (1 + 2) | Rs. _____ |

Date :

Signature and designation of
the applicant.

Place :

Notes:

Please give full particulars of investments and also state whether you satisfy the conditions mentioned in sub-rule (5) of rule 2D, if not, indicate reasons with details.

[No. 98/6 F. No. 142/21/95-TPL]

ANIRUDDHA KUMAR, Under Secy.
